VIDYA BHARATI
Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan
Quality Education with Values

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
मूल्य आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

सेवा अंक 2.0
2021

अहर्निशं सेवामहे को किया चरितार्थ

संपादक मंडल

श्री अवनीश भटनागर, कुरुक्षेत्र
श्री सुधाकर रेड्डी, हैदराबाद
श्री विजय मारू, दिल्ली
श्री रवि कुमार, कुरुक्षेत्र
श्री अक्षि अग्रवाल, हसनपुर (अमरोहा)
डॉ. नीरज शर्मा, मेरठ
डॉ. नरेंद्र मिश्रा, मेरठ
डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता, कुरुक्षेत्र

प्रकाशक

प्रचार विभाग
विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
प्रज्ञा सदन, सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
महात्मा गांधी मार्ग, नेहरू नगर,
नई दिल्ली-110065

अनुक्रमणिका

1	नमः सर्वेभ्यः / है नमन उनको	01
2	'वयं हिन्दू राष्ट्रांगभूता' का प्रबल हुआ भाव /प्रभावित बच्चों के रहने, खाने और पढने की निशुल्क व्यवस्था	02
3	कोरोना महामारी में दिवंगत हुए आचार्यों-प्रधानाचार्यो के परिवारों के साथ है विद्या भारती, करेंगे हरसंभव मदद	03
4	समाज के लिए उदाहरण बना गीता आइसोलेशन केन्द्र	04
5	आसोलेशन सेंटर में उपलब्ध कराई सभी जरूरी सुविधाएं	06
6	कोरोना से अनाथ हुए बच्चों को लिया गोद	07
7	विद्या भारती ने अहर्निशं सेवामहे को किया चरितार्थ	08
8	मैं कोरोना वॉलंटियर अभियान के तहत दिया प्रशिक्षण	10
9	विभिन्न स्थानों पर किए गए सेवा कार्य-फोटो फीचर	12
10	मीडिया में सुर्खियाँ बने विद्या भारती के सेवा कार्य	13

Email: vbsamvad@gmail.com | Website: www.vidyabharti.net

नमः सर्वेभ्यः

नमः सर्वेभ्यः, विद्या भारती देशव्यापी संगठन है और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। विद्या भारती शिक्षा के क्षेत्र में अपना दायित्व निभाने के लिए, सामाजिक विकास और उन्नति के लिए काम करने वाली एक बड़ी संस्था है। विद्या भारती बहुत सारे कार्यक्रम लेती है और विद्या भारती का मानना है कि हर एक विद्यालय सामाजिक चेतना का और सामाजिक सेवा का केंद्र है। इसीलिए समाज में आई हुई विपदा, आपदा, समस्या ये सब सुलझाने के लिए जब-जब मौका मिलता है तो तुरंत कार्यक्षेत्र में विद्या भारती के सभी हितधारक और घटक , ये सब बाहर आते हैं और समाज के बीच में काम करते हैं। ऐसे ही कोरोनाकाल खंड में इस विपरीत परिस्थिति में और महामारी के बीच में लड़ते हुए इतने सारे हमारे कार्यकर्ताओं ने बहुत बड़ा सेवा का काम किया है। हर छोटे-छोटे गाँव में सेवा की, योद्धा के जैसे काम किये हैं और सबको साथ में लेकर काम किये हैं। हर प्रकार का सेवा का काम किया है और किसी से अपेक्षा न करते हुए निरपेक्ष भाव से, निराडंबर, निस्वार्थ सेवा करने में हम सब समर्थ रहे। समाज को ये आह्वान करते हैं कि सामाजिक दायित्व निभाने में हम सब अग्रसर होकर काम करने के लिए तैयार रहें।

डी. रामकृष्ण राव
अध्यक्ष
विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

है नमन उनको...

है नमन उनको, जो इस महामारी के रूप में आए हुए काल के कराल पंजे में समा गए। वर्षों तक प्रतिदिन समस्त प्रकार की अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में, योजनाएं बनाने और क्रियान्वित करने में जो साथ में कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़े रहे.........

कोविड-19 महामारी का पहला चरण भारत में मार्च, 2020 में प्रभावी हुआ। लॉकडाउन से उत्पन्न समाज की आर्थिक समस्याओं, प्रवासी श्रमिकों के पुनर्वास, समाज के विपन्न वर्ग के बीच जाकर भोजन-सामग्री, मास्क-सैनेटाइजर, दवाओं के वितरण से उन्हें यह मानसिक संबल देने तक कि समाज आपके साथ है, जिन्होंने अपने स्वास्थ्य तथा जीवन की चिन्ता नहीं की और समाज देवता की सेवा में प्राण-पण से जुटे रहे........

पहली लहर की विभीषिका से उबरने के बाद जब तक परिस्थितियां सामान्य होने लगी थीं, दूसरी लहर ने जोर पकड़ा। पहली लहर में कोविड समाचार चैनलों और समाचार-पत्रों से पता लगता था लेकिन, दूसरी लहर हमारे घरों में आ घुसी। शायद ही कोई व्यक्ति होगा ऐसा सौभाग्यशाली जिसके घर-परिवार, मोहल्ला-पड़ोस, नाते-रिश्ते या मित्र मण्डली में कोई महामारी के कराल गाल में न समाया हो। हममें से अधिकांश ने खो दिया अपने निकटस्थ, हितचिन्तक एवं संगी-साथियों में से अनेक को.........

संगठन की दृष्टि से जिनके ऊपर महत्वपूर्ण दायित्व सौंपकर हम निश्चिन्त हो जाते थे, जिनमें भविष्य की अपार संभावनाएं समाई हुई थीं, जिनको लेकर विविध योजनाएं सोची थीं......वे नहीं रहे हमारे बीच.......हो गए चर्मचक्षुओं से अदृश्य..... शेष हैं केवल उनकी स्मृतियां...... उनके साथ बिताये पल.......उनके साथ बांटे गए जीवन के सुख-दुःख, उतार-चढ़ाव, धूप-छांव....... मन विचलित हो जाता है ये सोचकर कि वे अब कभी प्रत्यक्ष नहीं मिलेंगे.......

है नमन उनको...........उनकी पुण्य स्मृति को........! उन्हें प्रभु-सायुज्य प्राप्त हो, यही प्रार्थना! ऊं तत्सत्।।

अवनीश भटनागर
राष्ट्रीय मंत्री
विद्या भारती

`वयं हिन्दू राष्ट्रांगभूता' का प्रबल हुआ भाव

अप्रैल-मई 2021 में कोरोना की दूसरी लहर की भयावता सर्वदूर फैली थी। इसी दौरान माननीय काशीपति जी का फोन आया कि मैं और श्री अक्षी जी आपस में नाम बांटकर देशभर में प्रचार विभाग के कार्यकर्ताओं से कुशलक्षेम पूछने के लिए फोन पर बात करें। भाईसाहब जी के संकेत के बाद आपस में नाम बांटकर कुशलक्षेम हेतु फोन करने प्रारम्भ किए। कार्य की पूछताछ नहीं करेंगे, मात्र कुशलक्षेम ही पूछेंगे ऐसा निश्चित किया। प्रतिदिन पांच से सात फोन औसतन कुशलक्षेम पूछने के लिए किए गए। कार्यकर्ता के घर-परिवार, आस-पड़ोस, प्रान्त में कार्यकर्ता एवं स्थानीय समाज में तत्काल स्वास्थ्य व मन:स्थिति आदि की जानकारी हेतु बातचीत होती थी। इस विविधतापूर्ण देश में उस समय की स्थिति की जानकारी भी विविधताओं से भरी हुई थी। बातचीत करने पर सामने वाले की परिस्थिति के अनुसार स्वयं की मन:स्थिति भी कुछ क्षण के लिए वैसी हो जाती थी। परंतु कुशलक्षेम पूछने पर स्वयं व सामने वाले को तात्कालिक ही सही सांत्वना व क्षणिक सुख तो अनुभव होता ही था। साथ ही भारत के अन्यान्य क्षेत्रों में बातचीत करने से 'वयं हिन्दू राष्ट्रांगभूता' का भाव भी प्रबल होता था।

रवि कुमार
प्रान्त संगठन मंत्री
विद्या भारती
हरियाणा एवं
प्रचार विभाग केंद्रीय टोली सदस्य

विद्या भारती मध्य क्षेत्र ने परिवारभाव से की प्रभावितों की सहायता

मध्य क्षेत्र। कोरोना की दूसरी लहर ने हर तरफ तबाही मचा रखी थी और हर तरफ से संक्रमण और मृत्यु के समाचार आ रहे थे। ऐसे में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के कार्यकर्ता प्रधानाचार्य, आचार्य और सेवक भी कोरोना के काल में समाने से न बच सके। कोरोना महामारी ने हमारे 61 लोगों (महाकौशल प्रान्त 28, मालवा 21, मध्य भारत 10, छत्तीसगढ़-2) को हमसे हमेशा के लिए अलग कर दिया और चिरनिद्रा में सुला दिया। विद्या भारती मध्य क्षेत्र ने इन सबके परिवारों को अधिकतम सहायता प्रदान की। आचार्य सुरक्षा न्यास अनुदान, पीएफ अनुदान और शासन की समस्त सुविधाओं को दिलाने के लिए भी पूरा प्रयास किया गया। महाकौशल प्रान्त और मध्य भारत प्रान्त ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए प्रान्त स्तर पर एक अधिवक्ता को इसी कार्य के लिए नियुक्त किया। इन परिवारों की देख-रेख और सहायता के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। विद्या भारती ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने में अपने परिवारभाव को चरितार्थ किया।

चंद्रहंस पाठक
क्षेत्र प्रचार प्रमुख
विद्या भारती मध्य क्षेत्र

कोरोना महामारी में दिवंगत हुए आचार्यों-प्रधानाचार्यों के परिवारों के साथ है विद्या भारती, करेंगे हरसंभव सहयोग

कोरोना महामारी की दूसरी लहर अनेक परिवारों के काल का ग्रास बनकर आई। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश में चालीस से अधिक आचार्य-प्रधानाचार्य श्रेणी के कार्यकर्ता इस दौरान दिवंगत हो गए। विद्या भारती में परिवार भाव सिखाया जाता है। जब परिवार के किसी व्यक्ति को कष्ट होता है तब विद्यालय परिवार और संगठन उसके साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ा रहता है। ये कार्यकर्ता जब कोरोना पीड़ित हुए, तब विद्यालय परिवार ने उन्हें चिकित्सालय में भर्ती करवाया और इलाज का खर्च भी विद्यालय परिवार ने वहन किया। परंतु भरसक प्रयासों के बावजूद जीवन नहीं बच पाया। शोक सांत्वना के साथ इन परिवारों को संभालने का कार्य विद्या भारती के कार्यकर्ताओं व अधिकारियों द्वारा सतत चला और अभी भी निरन्तरता में है। सरस्वती शिशु मंदिर झांसी के पूर्व छात्रों द्वारा पांच लाख रुपये इन परिवारों की आर्थिक सहायता के लिए एकत्र किए गए। इसी प्रकार रायबरेली, रामबाग जिला बस्ती में भी राशि एकत्र की गई। संबंधित सभी विद्यालयों के घटकों ने यथाशक्ति राशि एकत्र कर प्रभावित परिवारों को दी। गोरखपुर, उरई आदि स्थानों पर परिवार में एक-एक सदस्य को अलग-अलग विद्यालयों में सेवारत होने का अवसर दिया गया। ईपीएफ एवं उनका शेष वेतन उनके परिवारों को दिया गया। परिवार की संभाल ठीक से होती रहे, इसलिए कार्यकर्त्ताओं की जिम्मेदारी लगाई गयी है और कार्यकर्त्ता एकनिष्ठ होकर इन दिवंगत कार्यकर्ताओं के परिवारों की संभाल परिवार भाव से कर रहे हैं।

हेमचंद्र, क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश

कोरोना की दूसरी लहर में दिवंगत कार्यकर्ताओं के परिवार को सहायता

मेरठ प्रान्त। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर पहली लहर के मुकाबले बेहद भयावह साबित हुई। महामारी के इस संकटकाल में जहां ज्यादातर लोग एक-दूसरे से मिलने से भी बच रहे थे, ऐसे कठिन समय में विद्या भारती मेरठ प्रान्त के कार्यकर्ता और विद्यालयों के प्रधानाचार्य, आचार्य और कर्मचारी अपनी जान की परवाह किए बिना आम लोगों की मदद के लिए निरंतर कार्य करते रहे। विद्या भारती मेरठ प्रान्त के कार्यकर्ताओं ने न केवल जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्यान्न और खाद्य सामग्री आदि का वितरण किया बल्कि कई संक्रमित मरीजों को चिकित्सालय तक पहुंचाने और उन्हें उपचार दिलाने में भी सक्रिय सहायता की। इसके अलावा विद्या भारती के कर्मियों ने सेवाभाव से आम लोगों की कोरोना जांच कराने और कोरोना टीकाकरण के कार्य में भी मदद की। कोरोना जांच और टीकाकरण केंद्र ऐसे स्थान थे जहां कोरोना से संक्रमित होने का खतरा सबसे ज्यादा था। इसके बावजूद विद्या भारती के कार्यकर्ता समर्पण भाव से आम जनता और स्वास्थ्य विभाग की मदद करने में अग्रणी भूमिका निभाते रहे। विद्या भारती के कार्यकर्ता कोरोना संक्रमण से बचाव के उपायों और संक्रमित होने पर बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति भी आम लोगों को निरंतर जागरुक करते रहे।

हालांकि सेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग करते हुए कोरोना की दूसरी लहर में अप्रैल-मई 2021 के दौरान विद्या भारती मेरठ प्रान्त के सौ से अधिक कार्यकर्ता संक्रमण का शिकार हो गए, जिनमें से 31 कार्यकर्ताओं को हरसंभव प्रयास के बावजूद बचाया नहीं जा सका और उनका दुखद निधन हो गया। दिवंगत हुए इन कार्यकर्ताओं में 5 प्रधानाचार्य, 22 आचार्य और 4 कर्मचारी शामिल थे। विद्या भारती मेरठ प्रान्त ने दिवंगत हुए इन कार्यकर्ताओं के परिवार के सदस्यों की सहायता के लिए स्थानीय स्तर पर लगभग 25 लाख रुपये का सहयोग किया। इसके अलावा अपने विद्यालयों में अध्ययनरत उनके पाल्यों का शुल्क मुक्त किया गया और 5 आचार्यों के परिवार से पत्नी/पुत्र को अपने विद्यालयों में सेवा प्रदान की गई। इसके साथ ही विद्या भारती मेरठ प्रान्त द्वारा प्रति कार्यकर्ता 30 हजार रुपये से 50 हजार रुपये का सहयोग प्रदान करने की प्रक्रिया चल रही है।

डॉ. नीरज शर्मा
प्रचार प्रमुख, विद्या भारती, मेरठ प्रान्त

समाज के लिए उदाहरण बना गीता आइसोलेशन केन्द्र

- मरीजों संग सहयोगी स्टाफ के लिए की भोजन व्यवस्था
- कर्मचारियों का किया गया 10 हजार ₹ का बीमा

कुरुक्षेत्र। कोविड-19 के समय ऐसा कोई पल नहीं रहा जब विद्या भारती हरियाणा का कार्यकर्ता समाज के साथ खड़ा ना हुआ हो। उन्होंने अपना कर्तव्य समझकर इस महामारी से अपने परिवार को तो बचाया ही, साथ में इससे पीड़ित लोगों को स्वस्थ रखने में भी अपनी अहम भूमिका निभाई। इसका सर्वोत्तम उदाहरण है श्रीमद्भगवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यलय, कुरुक्षेत्र के पूर्व छात्रों द्वारा संचालित गीता आइसोलेशन केन्द्र। कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए तथा मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मार्गदर्शन में पूर्व छात्रों ने अपने विद्यालय में महामारी से पीड़ितों के लिए आइसोलेशन केन्द्र की योजना बनाई। उनके ध्यान में वे लोग थे जिनके घर छोटे थे, अधिक कमरे ना होने के कारण वे अपने आपको शेष परिवार से अलग नहीं रख पा रहे थे। इस पर पूर्व छात्रों ने 50 बिस्तर का आइसोलेशन केन्द्र बनाया जिसमें भोजन, दवा, योग, मनोरंजन आदि की सभी व्यवस्थाओं का जिम्मा स्वयं उठाया। यहां हल्के लक्षण वाले और घर पर जगह न होने की स्थिति में मरीजों को रखने की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का चिकित्सा दल भी 24 घण्टे पीड़ितों की सेवा व उनको स्वस्थ करने में लगा रहा। कोविड केयर सेंटर में भर्ती होने वाले मरीजों को घर जैसा वातावरण देने के लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से योग व प्राणायाम आदि के लिए भी व्यवस्था की गई थी। इस आइसोलेशन केन्द्र में आए मरीजों के साथ इसमें कार्यरत चिकित्सा दल और सफाई कर्मचारियों के भोजन की व्यवस्था भी

की गई। कर्मचारियों के लिए 10 हजार रुपये का बीमा सराहनीय प्रयास रहा ताकि किसी भी स्थिति में उनके परिवार पर किसी तरह का आर्थिक संकट ना आए। नगर परिषद थानेसर के मुख्य निरीक्षक रविंद्र सिंह बिश्नोई को नोडल अधिकारी बनाया गया था।

आइसोलेशन केन्द्र के संचालन में संघ कार्यकर्ताओं ने किया पूर्व छात्रों का सहयोग

आइसोलेशन केन्द्र के संचालन में संघ के कार्यकर्ताओं की विशेष टीम का सहयोग भी पूर्व छात्रों को मिलता रहा। आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा सुझाया गया दोनों समय का भोजन और समय-समय पर आयुर्वेदिक काढ़ा भी उपलब्ध कराया गया। इस तरह के आइसोलेशन केन्द्र का खुलना हम सबके लिए अच्छा नहीं है लेकिन मजबूरी या जरूरत के समय लोगों को बचाना हम सबका परम धर्म है और इसका उदाहरण इस आइसोलेशन केन्द्र ने प्रस्तुत किया। यह आइसालेशन केन्द्र समाज के लिए एक उदाहरण के रूप में सामने आया।

जरूरतमंदों के भोजन के लिए विदेश में रह रहे पूर्व छात्रों ने बढ़ाया हाथ

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की गीता रसोई के लिए विदेश में रह रहे श्रीमद्भागवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्रों ने हाथ बढ़ाया। विदेश में रह रहे पूर्व छात्रों को जब कोरोना

संक्रमितों और लॉकडाउन से प्रभावित जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए गीता रसोई के संचालन की जानकारी मिली तो उन्होंने इसके लिए आर्थिक सहयोग भेजना शुरू कर दिया। अमेरिका, जापान, स्विट्जरलैंड और कनाडा में कार्यरत कई पूर्व छात्रों ने गीता रसोई की व्यवस्था संभाली और आश्वस्त किया कि वह इस सेवा कार्य में कोई कमी नहीं आने देंगे। पूर्व छात्र परिषद के सदस्य कुलदीप चोपड़ा ने कहा कि कोरोना के मामले लगातार बढ़ने पर प्रदेश सरकार ने तीन मई से लकडाउन लगा दिया। उसी दिन से पूर्व छात्र परिषद ने गीता रसोई चलाने की योजना बनाई और इस बारे में पूर्व छात्र परिषद के अन्य सदस्यों को अवगत कराया गया। गीता रसोई के बारे में जानकारी मिलने पर कनाडा में रह रहे अजय शर्मा और अमेरिका से पीयूष शर्मा ने कहा कि वह मानवता की सेवा के लिए हमेशा सहयोग देने को तैयार हैं। दीपक चोपड़ा ने कहा कि श्रीमद्भागवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्र विदेश में बसकर भी अपने संस्कार नहीं भूले हैं। भारत की प्राचीन गौरवशाली संस्कृति को यादकर वह हमेशा मानवता की सेवा के लिए तैयार रहते हैं। पूर्व छात्रों ने मिलकर ऑक्सीजन कान्सन्ट्रेटर की व्यवस्था भी की।

पूर्व छात्र वरिष्ठ पत्रकार रोहित सरदाना की स्मृति में चलाई गीता रसोई

हरियाणा प्रान्त। पूर्व छात्र परिषद विद्या भारती हरियाणा ने अपने सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार रोहित सरदाना की स्मृति में गीता रसोई का संचालन किया। रोहित सरदाना श्रीमद भागवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं गीता निकेतन आवासीय विद्यालय

कुरूक्षेत्र के पूर्व छात्र थे। कोविड महामारी के दौरान हृदयाघात होने से उनका निधन हो गया था। पूर्व छात्रों ने उनकी याद में 45 दिन तक विद्यालय में गीता रसोई चलाई और प्रतिदिन उन कोविड मरीजों के लिए तीनों समय का भोजन उपलब्ध कराया जिनके घर में भोजन बनाने वाला कोई नहीं था। इस महामारी में पूरे के पूरे परिवार बीमार थे और उनकी भोजन की व्यवस्था नहीं हो रही थी। इस समय में पूर्व छात्र बीमारी की परवाह किए बिना उन लोगों के भोजन और दवा की व्यवस्था करते रहे। प्रतिदिन विद्यालय में हवन यज्ञ किया जाता रहा और उस हवन में लगाए गये भोग वाले भोजन को घरों तक पहुंचाया जाता था ताकि हवन में किया गया मंत्रोच्चारण उन लोगों के जल्द स्वस्थ होने में सहायक हो। गीता रसोई के लिए देश-विदेश में रह रहे पूर्व छात्रों ने खूब सहयोग किया और अपने साथी रोहित सरदाना को विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऑक्सीजन सपोर्ट से लेकर फ्री कोरोना जांच तक दी गई सुविधा

गाजियाबाद। कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान सेवा भारती ने नेहरू नगर स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर में 50 बेड का आइसोलेशन सेंटर बनाया। इसके बाद साहिबाबाद के राजेन्द्रनगर स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर में 25 बेड के आइसोलेशन सेंटर की शुरुआत की। इन दोनों आइसोलेशन सेंटर में ऑक्सीजन सपोर्ट, दवाइयां, जलपान, फलाहार, आयुर्वेदिक काढ़ा उपलब्ध कराया गया। लोगों की सुविधा के लिए एक एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई। इसके साथ ही कोरोना की निःशुल्क जांच के लिए कैम्प भी लगाया गया।

आइसोलेशन सेंटर में उपलब्ध कराईं सभी जरूरी सुविधाएं

नोएडा। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 12 स्थित सरस्वती शिशु मन्दिर में आइसोलेशन सेंटर स्थापित किया गया। प्रारंभ में 25 बेड के इस आइसोलेशन सेंटर को जरूरत पड़ने पर 50 बेड में बदलने की व्यवस्था भी की गई। आइसोलेशन सेंटर में पीने के पानी और ताजे भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। डाक्टरों की एक टीम कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए निरंतर सहयोग करती रही।

पूर्व छात्र परिषद् ने कोविड वैक्सीनेशन के रजिस्ट्रेशन के लिए लगाया शिविर

हसनपुर (मेरठ प्रान्त)। विद्या भारती से संबद्ध सरस्वती शिशु मंदिर में पूर्व छात्र परिषद इकाई हसनपुर की ओर से निशुल्क रजिस्ट्रेशन कैंप लगाकर कोविड वैक्सीनेशन के लिए 250 पंजीकरण किए गए। पूर्व छात्र परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष अक्षी अग्रवाल के अनुसार पूर्व छात्रों ने 18 से 45 आयु वर्ग के 170 से ज्यादा लोगों का रजिस्ट्रेशन कराया और इनमें से 110 लोगों को कोविन एप्लीकेशन के माध्यम से वैक्सीन के स्लॉट्स भी उपलब्ध कराए गए। इसके बाद भी रजिस्ट्रेशन शिविर को जारी रखा गया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों के वैक्सीनेशन में मदद की जा सके। शिविर के आयोजन में जिला प्रमुख विभोर अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, प्रधानाचार्य संसार बहादुर शर्मा, नगर संघचालक दीपक अग्रवाल जी, वासु शर्मा, अर्पित गौतम,

नितिन बंसल, सिद्धार्थ अग्रवाल, सौरभ मित्तल, संदीप चौहान आदि का सहयोग रहा।

जालंधर। कोरोना काल में विद्या भारती ने भी विद्यार्थियों से लेकर बड़ों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। जरूरतमंद कोविड रोगियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए हेल्पलाइन जारी की गई। अधिक से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन कराने में मदद की। इसके अलावा पूरे समाज को विभिन्न माध्यमों से जागरुक करने के लिए अभियान चलाया गया। इंटरनेट मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों के जरिए जयादा से ज्यादा लोगों को मास्क पहनने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर न जाने और वैक्सीनेशन से लेकर सैनेटाइजेशन तक के लिए प्रेरित किया गया।

परतापुर और पालोदा विद्यालय को कोविड सेंटर बनाने का दिया प्रस्ताव

बांसवाड़ा। कोरोना महामारी में लोगों की सेवा के उद्देश्य और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए विद्या भारती संस्थान बांसवाड़ा द्वारा संचालित विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय पालोदा और विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय परतापुर के विद्यालय भवन को आवश्यकता पड़ने पर कोविड सेंटर बनाने के लिए गढ़ी के एसडीएम अतुल प्रकाश को प्रार्थनापत्र सौंपा था। कोरोना काल में विद्या भारती ने अनाज किट वितरण, भोजन पैकेट, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोष में सहयोग आदि कार्य करते हुए जनजागरण कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई।

कोरोना महामारी में अनाथ हुए बच्चों को लिया गोद

- **विद्या भारती और विकास भारती निभाएगी रहने-खाने और पढ़ाने का दायित्व**

रांची। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में ऐसे कई परिवार हैं जहां माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई है और बच्चे अनाथ हो गए हैं। इनमें से कई परिवार तो आर्थिक रूप से सक्षम हैं, परन्तु कई परिवार ऐसे हैं जिनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब है। इन परिवारों के अनाथ हुए बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई की निःशुल्क व्यवस्था विद्या भारती संस्थान करेगा। पूरे देश में संचालित विद्या भारती के स्कूलों में ऐसे बच्चों के लिए पढ़ाई की व्यवस्था की जाएगी। विद्या भारती के क्षेत्र सचिव मुकेश नंदन ने कहा कि समिति की ओर से जहां छात्रावास संचालित हैं वहां पर अनाथ हुए बच्चों के भोजन, रहने और पढ़ने की निशुल्क व्यवस्था की जाएगी।

विकास भारती पिछले 30 वर्षों से बिशुनपुर के ग्रामीण इलाकों में अनाथ हुए बच्चों के रहने, खाने और पढ़ाई की व्यवस्था करती आ रही है। इस बार कोरोना के कारण ग्रामीण इलाकों में रहने वाले जो बच्चे अनाथ हुए हैं उनकी शिक्षा की पूरी व्यवस्था संस्था करेगी। संस्था की ओर से 10वीं तक संचालित स्कूलों में उनकी पढ़ाई की व्यवस्था की जाएगी। जरूरत के अनुसार उच्च शिक्षा प्राप्त करने तक की पूरी व्यवस्था संस्था करेगी। वहीं, सेवा भारती के गुरुशरण ने कहा कि अनगड़ा स्थित आवासीय विद्यालय में कोरोना के कारण अनाथ हुए बच्चों की पूरी व्यवस्था संस्था करेगी।

विद्या भारती की पहल पर कर्मचारियों को वितरित किया गया राशन

हमीरपुर। सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज हमीरपुर में विद्या भारती की पहल पर टोडी फाउण्डेशन एवं आर्या फेमिली फाउण्डेशन यूएसए के सौजन्य से हमीरपुर संकुल के अन्तर्गत कुरारा, हमीरपुर, सुमेरपुर, मोदहा, अतरा के सभी शिशु मन्दिरों एवं विद्या मन्दिरों के वाहनचालकों, परिचालकों एवं कर्मचारियों को राशन वितरित किया गया था। कोरोना महामारी काल में अपने परिवार की चिंता रखते हुए विद्यालय परिवार में भी कोई दिक्कत न हो, इसलिए ऐसे कार्यक्रम पूरे देश में संचालित किए गए। इसके तहत सभी को राशन सामग्री में आटा, चावल, दाल, आलू, प्याज, तेल आदि का वितरण किया गया। जिला संघचालक ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हमें सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए मास्क का प्रयोग करना है और नियमित रूप से अपने हाथ साबुन से धोना है। इसके साथ ही वैक्सीन लगवाना है और अपने पड़ोसियों को भी वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करना है।

विद्या भारती ने अहर्निशं सेवामहे को किया चरितार्थ

कोरोना की दूसरी लहर में संस्था ने उपलब्ध कराए 100 स्कूल और अन्य संसाधन

मध्य प्रदेश। कोरोना महामारी की घड़ी में विभिन्न सामाजिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मदद के लिए आगे आए। विद्या भारती ने भी संकट काल में मदद के लिए हाथ बढ़ाया और राज्य में संचालित 100 विद्या भारती स्कूलों और अन्य संसाधनों को कोविड केयर सेंटर, वैक्सीनेशन सेंटर और क्वारंटाइन सेंटर बनाने के लिए सरकार को देने का प्रस्ताव दिया। इन विद्या मंदिर स्कूलों में से 9 ग्वालियर, भोपाल, अशोकनगर, सिहोर और भिंड में 4-4, मुरैना में 7, शिवपुरी-रायसेन में 8-8, श्योपुर में एक, दतिया, होशंगाबाद और हरदा में 5-5, बैतूल-गुना में 6-6, राजगढ़ में 17 और विदिशा में 2 विद्यालय शामिल हैं। इसी तरह प्रदेशभर में 111 वैक्सीनेशन सेंटर के लिए सहयोग करने को कहा। इसके अलावा लाकडाउन के समय आरएसएस और सहयोगी संगठन जरूरतमंद लोगों को भोजन, मास्क और दवा आदि भी उपलब्ध कराते रहे। भोपाल के गांधीनगर के सेवा भारती आश्रम, शिवाजी नगर के सरस्वती शिशु मंदिर व सरस्वती शिशु मंदिर नारियल खेड़ा, सरस्वती शिशु मंदिर कोटरा को कवारंटाइन सेंटर बनाया गया जिनमें लगभग 70 लोगों को आश्रय देने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर लगभग 200 लोगों के ठहरने

की व्यवस्था इन सेंटर्स पर की गई। इन चारों सेंटर पर 25 कार्यकर्ता लोगों की सेवा के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहे। यदि कोई व्यक्ति कोरोना से संक्रमित निकलता तो उसे अस्पताल तक पहुंचाने और उसके इलाज की व्यवस्था भी संघ के कार्यकताओं ने की।

कोरोना संक्रमित मरीजों के परिजनों के लिए की रहने की व्यवस्था कोविड केयर सेंटर्स पर उन लोगों के रहने और निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई जिनके परिजन कोरोना से संक्रमित हुए। इसके साथ ही कोविड केयर सेंटर्स में रह रहे लोगों को चिकित्सकीय परामर्श भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई।

आचार्य परिवार ने चलाया समाज जागरूकता अभियान, वैक्सीनेशन पर दूर किया भ्रम

सरस्वती शिशु विद्यालय माचलपुर के आचार्य परिवार ने महामारी की दूसरी लहर में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए समाज जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान लोगों से विशेष रूप से टीका लगवाने और मास्क लगाने का आग्रह किया गया। इसके अलावा मास्क वितरण और भोजन वितरण का कार्य भी किया गया। आचार्य परिवार ने कोरोना वैक्सीन को लेकर लोगों में फैले भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और कहा कि सभी लोग टीका अवश्य लगवाएं। आम लोगों से कहा गया कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए हमें संयम रखते हुए सावधानी बरतनी होगी। कोविड-19 से संबंधित नकारात्मक विचारों को त्याग कर

हमें सकारात्मक सोच रखते हुए इस परिस्थिति से लड़ना है। कोरोना महामारी में आइसोलेशन सेंटर और वैक्सीनेशन सेंटर के लिए विद्यालय भवन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव प्रशासन को दिया गया।

बच्चू बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में आक्सीजन सुविधा के साथ बना नि:शुल्क आइसोलेशन वार्ड

फिरोजाबाद। दूसरी लहर में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सेवा भारती ने बच्चू बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में निशुल्क कोविड आइसोलेशन वार्ड का शुभारंभ किया। इस वार्ड में जरूरत पड़ने पर 20 संक्रमितों के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई। इसके लिए आइसोलेशन वार्ड में 10 ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर लगाए गए। एक ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर के माध्यम से दो मरीजों को आसानी से ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा सकती है। आइसोलेशन वार्ड का उद्घाटन करते हुए सीएमओ डॉ. नीता कुलश्रेष्ठ ने कहा कि समाज को एक सकारात्मक सोच देने का कार्य सेवा भारती के स्वयंसेवकों ने किया है। संकट की घड़ी में हम सभी को कोराना की लड़ाई में भरपूर सहयोग करना चाहिए। उद्घाटन सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचारक पश्चिमी उत्तर प्रदेश महेंद्र जी ने कहा कि संघ द्वारा अलग-अलग शहरों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य मानव सेवा करना और समाज को संगठित रखना है।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में प्रशासन को सौंपे विद्यालय भवन

- टीकाकरण के लिए आने वाले लोगों के लिए की गई जलपान की व्यवस्था

मध्य भारत प्रान्त। बच्चों को संस्कारित शिक्षा प्रदान करने में रत विद्या भारती कोरोना महामारी से निपटने के प्रयासों में भी मदद के लिए लगातार कार्य कर रही है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संस्था ने अपने आठ विद्यालय भवनों को प्रशासन को सौंप दिया था जिससे उनका आवश्यकतानुसार उपयोग किया जा सके। इसी में से एक सरस्वती शिशु मंदिर महाविद्यालय का प्रशासन ने टीकाकरण केन्द्र के रूप में उपयोग किया और बड़ी संख्या में यहां टीकाकरण किया गया। टीकाकरण केन्द्र का शुभारंभ विद्या भारती मध्य भारत प्रान्त के प्रांतीय सचिव शिरोमणी दुबे ने किया। महाविद्यालय में कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए टीकाकरण केन्द्र पर आने वाले लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर जिला प्रतिनिधि महेंद्र सिंह रघुवंशी, पूर्व सीएचएमओ डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी, हरिनारायण जाट बोइओ, व्यवस्थापक सुजान सिंह कुशवाह, प्रधानाचार्य विनय शर्मा और समाजसेवी विकास जैन नखराली आदि मौजूद रहे।

स्वयं कोरोना टीका लगवाकर अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का किया आह्वान

विद्या भारती मध्य भारत प्रान्त के प्रांतीय सचिव शिरोमणी दुबे ने कहा कि कोरोना महामारी का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। ऐसे में हर हाल में टीकाकरण कराएं। इससे न केवल स्वयं का बचाव होगा बल्कि परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी कोरोना संक्रमण से बचा सकेंगे। स्वयं टीका लगवाकर अन्य लोगों को भी टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही सभी लोग घर में रहें, सुरक्षित रहें और आवश्यक होने पर ही घर से बाहर जाएं। बाहर जाने पर मास्क जरूर लगाएं, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, बार-बार हाथ धोएं और कोविड- 19 महामारी से बचाव संबंधी सरकारी गाइडलाइंस का स्वयं पालन करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

आचार्यों ने मास्क वितरित कर चलाया कोरोना से बचाव के लिए जागरुकता अभियान

शिवपुरी। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए इससे बचाव के लिए सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय शिवपुरी के आचार्यों ने शहर में लोगों को मास्क वितरित किए। इसके साथ ही लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जागरुक किया और कहा कि स्वयं की सुरक्षा में ही सबकी सुरक्षा है। इसलिए मास्क अवश्य लगाएं और शासन-प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करें। सभी लोग प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करने के लिए नियमित रूप से योग और प्राणायाम करते रहें। अस्वस्थ होने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें, जिससे हम और हमारा परिक्षेत्र कोरोना महामारी से बच सके।

"मैं कोरोना वॉलंटियर" अभियान के तहत दिया प्रशिक्षण

शिवपुरी। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण से बचाव के लिए नगर में मै "कोरोना वॉलंटियर" अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत विकासखण्डवार स्वयंसेवकों को 19 से 22 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी वॉलॅटियर्स से आग्रह किया गया कि वे अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करें। प्रशिक्षण के दौरान नियमित रूप से योग और प्राणायाम का भी आयोजन किया गया।

भारत भारती के जागरुकता अभियान का असर, बड़ी संख्या में हुआ टीकाकरण

भारत भारती की जागरण टोली ने ग्राम जामठी, कढ़ाई, लापाझिरी में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान लाउडस्पीकर आदि से ग्रामीणों को कोरोना महामारी से बचाव के उपाय बताए गए तथा वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही ग्रामीणों

एवं राहगीरों को मास्क वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने आवासीय भारत भारती विद्यालय के चिकित्सालय को वैक्सीन सेंटर बनाया था। यहां पर आसपास के लोगों का टीकाकरण किया गया। भारत भारती द्वारा निरन्तर चलाये गए कोरोना जागरूकता अभियान का लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और लोग अधिक संख्या में कोरोना का टीका लगवाने के लिए वैक्सीन केन्द्रों पर पहुंच रहे हैं। नगर क्षेत्र के अलावा भारत भारती शिक्षा समिति ने कोरोना महामारी के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में भी जनजागरण अभियान चलाया। इसके साथ ही संस्था ने क्वारंटाइन में रह रहे परिवारों के लिए निःशुल्क भोजन की व्ययस्था भी की। इस अभियान में संस्था के सचिव कोरोना जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य मोहन नागर, भारत भारती आवासीय विद्यालय के प्राचार्य गोविन्द कारपेन्टर, आवास अधीक्षक जितेन्द्र तिवारी, प्रधानाचार्य राजेश पाटील, आईटीआई के प्राचार्य विकास विश्वास, निम्बाजी गायकवाड़ आदि ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

मलिन बस्तियों के परिवारों और बेसहारा श्रमिकों के लिए की भोजन व्यवस्था

महाकौशल प्रान्त। सरस्वती शिशु मन्दिर नागोद की ओर से मलिन बस्तियों के 150 से अधिक निवासियों को भोजन वितरित किया गया। सरस्वती हायर सेकेण्डरी स्कूल गुनौर के पूर्व छात्रों ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 1 लाख 53 हजार रुपये का सहयोग किया। सरस्वती शिशु मन्दिर ने शिविर का आयोजन किया जहां प्रवासी श्रमिकों को आश्रय दिया गया और उनका कोरोना परीक्षण किया गया। सरस्वती शिशु मन्दिर बीना ने बेसहारा और प्रवासी श्रमिकों को भोजन उपलब्ध कराया।

सरस्वती शिशु मंदिर में बनाया कोरोना टीकाकरण केंद्र

श्योपुर। शहर की रेलवे कॉलोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण केन्द्र बनाया गया। इस केंद्र पर बस्ती में रहने वाले लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई। सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य सुभाष त्यागी के अनुसार विद्या भारती प्रबंधन ने विद्यालय के भवन को कोविड केयर सेंटर और कोरोना टीकाकरण केन्द्र बनाने का जिला प्रशासन को सुझाव दिया था। इसके बाद प्रशासन ने विद्यालय में कोरोना टीकाकरण केन्द्र का शुभारम्भ किया। यहां बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वैच्छिक रूप से कोरोना का टीका लगवाया। टीकाकरण में आरएसएस के जिला प्रचारक जितेंद्र शर्मा, सत्यनारायण मित्तल, उपाध्यक्ष अंजना मारवाडी आदि का विशेष सहयोग रहा।

कोरोना केयर सेंटर के लिए विद्या भारती ने दिए 20 स्कूल

राजगढ़। दूसरी लहर में लगातार बढ़ती कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए विद्या भारती सेवा और समर्पण की मिसाल बनकर सामने आई। संस्था ने राजगढ़ जिले में संचालित अपने 20 सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कोविड केयर सेंटर बनाने के लिए प्रशासन को सौंप दिए। विद्या भारती ने इस संबंध में अपना स्वीकृति पत्र कलेक्टर को प्रेषित कर दिया। प्रशासन आवश्यकतानुसार इन भवनों में कोरोना से संबंधित किसी भी तरह की व्यवस्था या कोई भी उपयोग कर सकता है। विद्या भारती के प्रांतीय सह सचिव चंद्रकांत त्रिपाठी, विभाग समन्वयक राजेश तिवारी, ओमप्रकाश राठी, संदीप सोनी, प्राचार्य अरविंद दुबे ने जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित इन 20 विद्यालयों की सूची प्रशासन को सौंपी।

विभिन्न स्थानों पर किए गए सेवा कार्य

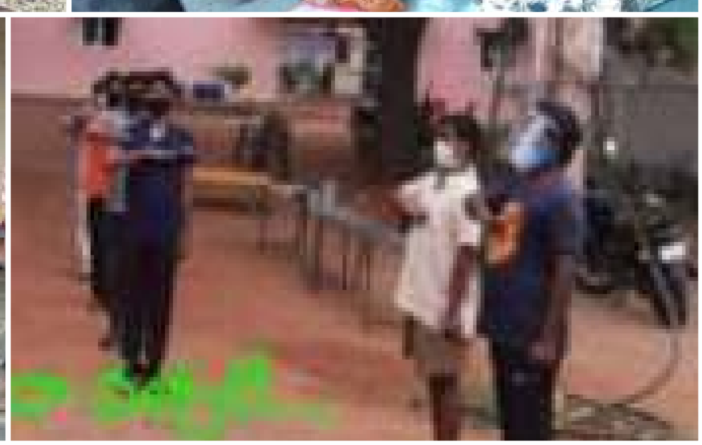

मीडिया में सुर्खियाँ बने विद्या भारती के सेवा कार्य

VIDYA BHARATI
Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan
Quality Education with Values

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
मूल्य आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है, जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी–झोंपड़ियों में निवास करने वाले दीन–दुखी, अभावग्रस्त अपने बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।

प्रज्ञा सदन, सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
महात्मा गांधी मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065
Email: vbsamvad@gmail.com | Website: www.vidyabharti.net